भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1955

उत्तर देने की तारीख-17/12/2025

एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों में पाठ्यक्रम संशोधन

1955 **श्री मल्लिकार्जुन खरगे:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा अपनी पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम और विषय-वस्तु को संशोधित और अद्यतन करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया क्या है;
(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान ऐसे संशोधनों में शामिल समितियों या विशेषज्ञ समूहों की संरचना क्या है, साथ ही उनकी योग्यताएँ और संबद्धताएँ क्या हैं;
(ग) क्या ऐसे परिवर्तनों को अंतिम रूप देने से पहले शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श किया जाता है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता और शैक्षणिक कठोरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी(

(क) से (घ) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)2020 में अन्य बातों के साथसाथ-, छात्रों पर पाठ्यक्रम के बोझ को कम करने की सिफारिश की गई है। एनईपी 2020 के अनुवर्ती के रूप में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीईआरटी) (एनसीएफ)तैयार की है। स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा -2023 (एनसीएफ--एसई2023) भाग क में प्रत्येक "पाठ्यक्रम सामग्री में कमी" और "सामग्री भार में कमी" - विषय में भार को कम करने की आवश्यकता को दोहराता है। एनसीएफ-एसई-2023 के अनुसार, स्कूल पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार करने के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण अधिगम सामग्री समिति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (एनएसटीसी)

रूपरेखा निरीक्षण समिति का भी गठन किया गया है। एनएसटीसी के अंतर्गत विज्ञान, गणित, भारतीय ज्ञान परंपरा, सामाजिक विज्ञान आदि के लिए विद्वानों, विषय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शिक्षकों आदि के साथ 13 पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह का भी गठन किया गया है। (सीएजी)इसके अलावा, संबंधित सीएजी के अंतर्गत प्रत्येक विषय के लिए कक्षा वार पाठ्यपुस्तक विकास दल- का गठन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (टीडीटी) रूपरेखा के परिप्रेक्ष्य को पाठ्यपुस्तकों में परिवर्तित किया जाए। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पाठ्यपुस्तकों के लिए पिछले पांच वर्षों में गठित समितियों के ब्यौरे के लिए वेबलिंक नीचे दिए गए हैं -

https://ncf.ncert.gov.in/webadmin/assets/43e5e4d5-92c8-4090-982a-

c26b7f6855e6 .

https://ncf.ncert.gov.in/webadmin/assets/c2e6d2f9-8d64-4d2a-9734-

acb71b3c2151 .

NCF - National Curriculum Framework

एनसीईआरटी के पास प्रत्येक वर्ष पाठ्यपुस्तकों के पुनर्मुद्रण के लिए एक तंत्र है। विभिन्न हितधारकों से प्राप्त वर्तनी, व्याकरण, तथ्यों आदि के बारे में मामूली सुझावों को प्रत्येक वर्ष पाठ्यपुस्तकों के पुनर्मुद्रण संस्करण में शामिल किया जाता है।

पाठ्यपुस्तकों से संबंधित सभी तंत्रों में, विषयसंशोधन के बाद/वस्तु के विकास-, प्रत्येक पाठ्यपुस्तक टीम के भीतर विभिन्न स्तरों, विषय विशेषज्ञों वाली समीक्षा टीम और एनसीईआरटी में प्रकाशन प्रभाग द्वारा संपादन के स्तर पर समीक्षा की एक विस्तृत प्रक्रिया से गुजरती है।

*****